आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) कार्यक्रम प्रतिवेदन – 2023

//प्रतिवेदन//

"Preparation for Assessment and Accreditation" for Accredited/ Non-Accredited Colleges/Universities")

--0--

दिनांक 18 एवं 19 मई, 2023 को ऑनलाईन नैक जागरूकता पर मूल्यांकन और प्रत्यायन की तैयारी हेतु अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वान प्रकोष्ठ द्वारा **Preparation for Assessment and Accreditation" for Accredited/ Non-Accredited Colleges/Universities** विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रथम दिवस कार्यशाला के प्रारंभ में कार्यक्रम समन्वयक प्रो. एच.एस. होता, द्वारा स्वागत भाषण दिया गया तत्पश्चात् विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य ए.डी.एन. वाजपेयी द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन दिया गया।

प्रथम सत्र में प्रो. ए.एस. रनदिवे, गुरूघासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा प्रजेंटेशन के माध्यम से नैक के मानदंड 6 एवं 7 के संदर्भ में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत किया गया।

द्वितीय सत्र में डॉ. पुष्कर दुबे, पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़, बिलासपुर द्वारा प्रजेंटेशन के माध्यम से नैक के मानदंड 1 एवं 2 के संदर्भ में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत किया गया।

उक्त दोनों तकनीकी सत्र समापन पश्चात् कार्यक्रम आयोजन सचिव डॉ. सुमोना भट्टाचार्य द्वारा आभासी माध्यम से चल रहे कार्यशाला में सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

द्वितीय दिवस आयोजन सचिव डॉ. सुमोना भट्टाचार्य ने विभिन्न महाविद्यालयों से जुड़े नैक संयोजक, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ समन्वयकों, प्राध्यापकों एवं ऑनलाईन माध्यम से जुड़े समस्त लोगों का स्वागत—अभिनंदन किया।

तदोपरान्त व्याख्यान के तृतीय सत्र का शुभारंभ किया गया। उक्त सत्र में बतौर वक्ता के रूप में सिम्मिलित प्रो. बी.एस. ठाकुर, गणित विभाग, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर ने कार्यशाला में ने नैक प्रत्यायन के मानदण्ड— 04 के बारे में प्रजेंटेशन के माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी प्रस्तुत किया।

तत्पश्चात् पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर से ही सिम्मिलित वक्ता डॉ. के.के. साहू, बायोटेक्नॉलॉजी विभाग ने नैक के संदर्भ में मानदण्ड— 05 के बारे में प्रजेंटेशन के माध्यम से अपनी प्रस्तुति दी।

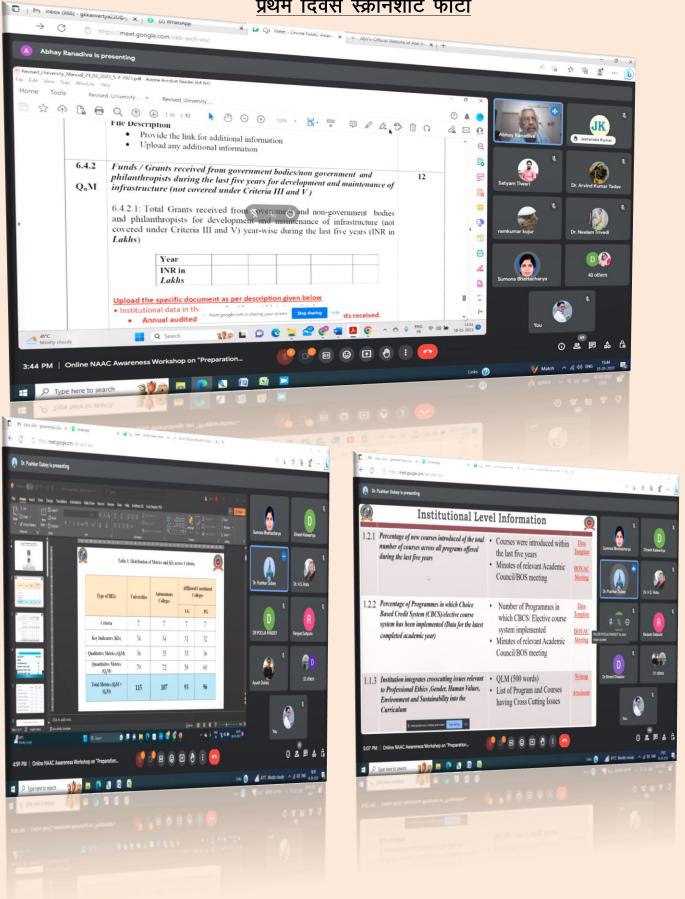
कार्यशाला के अंतिम सत्र अर्थात पांचवें सत्र में बसंती देवी महाविद्यालय, कलकत्ता से बतौर वक्ता सम्मिलित डॉ. इंड्रिला गुहा, प्राचार्य ने नैक प्रत्यायन के तृतीय मानदण्ड के बारे में अपने वक्तव्य एवं प्रजेंटेशन के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्रस्तुत किये।

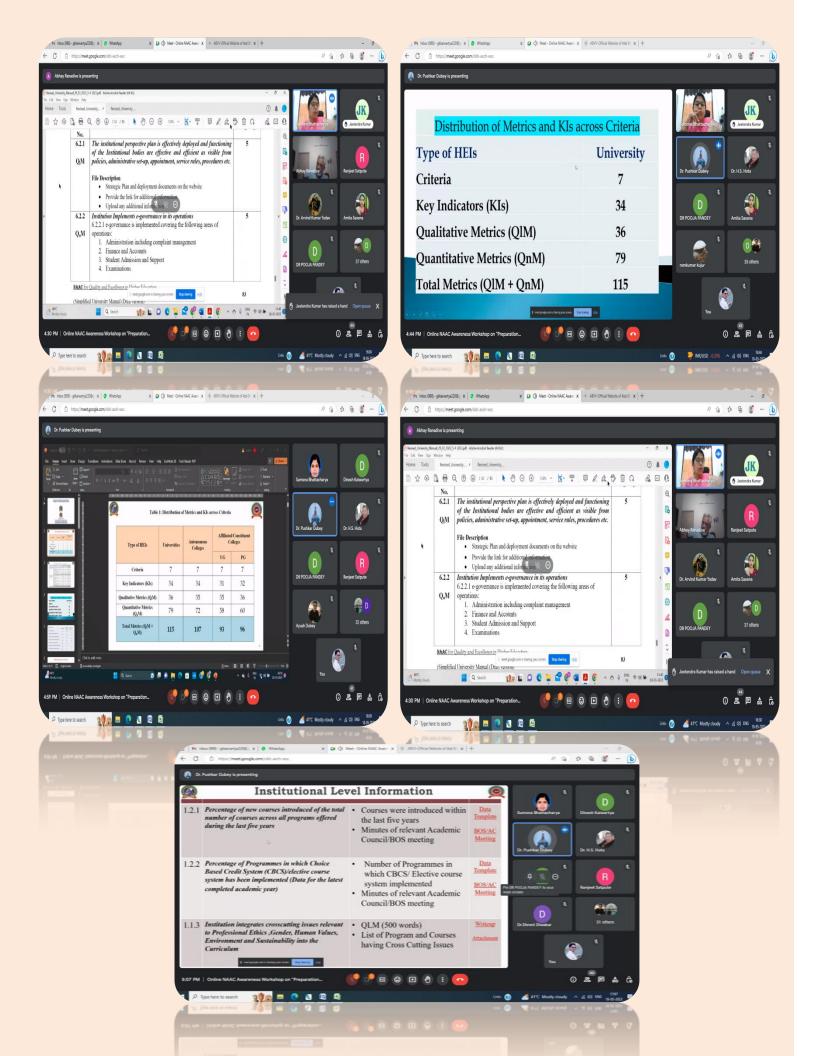
समापन सत्र में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. एच.एस. होता ने विभिन्न वक्ताओं द्वारा प्रस्तुत नैक के 07 मानदण्डों के प्रस्तुतीकरण की प्रसंशा की तथा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

तत्पश्चात् कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रो. बी.जी. सिंह, माननीय कुलपित, पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर ने नैक के महत्व पर प्रकाश डालते हुये नैक की तैयारी, अविध एवं रिपोर्टींग संबंधी महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डालते हुये विस्तृत जानकारी प्रदान की।

उक्त कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के समस्त प्राध्यापकगण, डॉ. एच.एस. होता, डॉ. पूजा पाण्डेय, प्रो. गौरव साहू, डॉ. कलाधर, डॉ. सीमा बेलोरकर, डॉ. लितका भाटिया, डॉ. स्वाित रोज टोप्पो, प्रो. हामिद अब्दुल्लाह, प्रो. हैरी जॉर्ज, प्रो. यशवंत पटेल, प्रो. सौमित्र तिवारी, प्रो. रेवा कुलश्रेष्ठ, प्रो. जीतेन्द्र गुप्ता, डॉ. रिश्म गुप्ता, डॉ. तरूण धर दीवान, श्री हर्ष पाण्डेय, डॉ. महेन्द्र मेहता, सुश्री सुषमा तिवारी, श्री सौरव पाण्डेय तथा विश्वविद्यालय एवं विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के विभिन्न प्राध्यापकगण, नैक एवं आईक्यूएसी समन्वयक, छात्र—छात्राएं इसके अतिरिक्त अन्य राज्यों के प्राध्यापकगण एवं बुद्धिजीवी प्रमुख रूप से कार्यशाला में सिम्मिलित रहे।

प्रथम दिवस स्क्रीनशॉट फोटो





द्वितीय दिवस स्क्रीनशॉट फोटो







